पाठ - 12 कंचन और साँवरी

कठिन शब्द

रंगीन

कागज

दरवाजे

अँधेरा

शंख

संग

मुँडेर

प्रश्न / उत्तर

क कंचन दीदी कागज से क्या बना रही थी ?
उ० कंचन दीदी कागज से कंदील बना रही थी।

ख साँवरी माँ के साथ क्या बना रही थी ?
उ० सांवरी माँ के साथ फूलों की रंगोली बना रही थी।

ग अँधेरा होते ही पिताजी ने क्या किया ?
उ० अँधेरा होते ही पिताजी ने मुँडेर पर दिये जलाये

घ दादा जी ने क्या किया ?
उ० दादा जी ने सबके माथे पर टीका लगाया ?

प्र. पूजा करते समय सबने क्या किया?
उ. पूजा करते समय माँ ने शंख बजाया और सबने हाथ जोड़कर मंत्र बोले।

वाक्य बनाओ -

रंगीन - रंगीन कागज से रंगोली बनाई।
शंख - पूजा के समय हम शंख बजाते हैं।
मंत्र - मैंने आज मंत्र बोला।
खुशी - सबने मिलकर दीवाली की खुशी मनाई।

(कार्यपत्रिका) - 12

शब्दों पर (ँ) व (ं) लगाकर पूरे करो।

हस - ______

घटा - ______

कधा - ______

रग - ______

मुह - ______

आख - ______

चाद - ______

आगन - ______

DATE / 20
PAGE No

गतिविधि

रंगीन कागज से कंदील व बंदनवार बनाइये।

अब बताएँ

1. बोल-बोलकर पढ़ें—

हंस	पंख	रंग	अंक	गंध
खंभा	घंटा	कंचा	कंघा	पंखा
आँख	पाँच	चाँद	बाँस	काँच
मुँह	ऊँट	अँगुली	बाँसुरी	आँगन

2. शब्द पढ़ें और सही जगह पर लिखें—

चैन	चूहा	चकला	चेतक	चिमटा
चाबी	चौकी	चौल	चुनरी	चोकर